क्रमांक / जागोरी / 2013

प्रिय साथियों,

जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले कई सालों से जागोरी नियमित रूप से जेन्डर कार्यशालाओं का आयोजन करती आ रही है जिसके दौरान सत्ता के विभिन्न ढांचों को नारीवादी नज़रिए से देखने व परखने का हमारा प्रयास रहा है। इन कार्यशालाओं ने सीखने सीखाने का एक ऐसा मंच तैयार किया है जहाँ जेन्डर व नारीवाद जैसी अवधारणाओं पर अपनी समझ बनाने के साथ ही ऐसी रणनीतियाँ भी तैयार हुईं हैं जो इन अवधारणाओं की व्यवहारिकता को सार्थक कर सकें।

पिछले कई सालों से देश की विभिन्न महिला संस्थाओं, गैर सरकारी, समुदाय आधारित व शिक्षण संस्थान इस कार्यशाला में अपनी भागीदारी निभाते आये हैं और अपने अनुभव व विचारों से कार्यशाला को समृद्ध बनाया है। **9 से 13 अप्रैल 2013** को एक बार फिर **'जेन्डर व विकास'** पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है और हम उम्मीद करते हैं कि आपकी सहभागिता इस प्रक्रिया को सफल बनायेगी।

" समाज को गर बदलना है तो अब हर तह को खोलना है "

2013 जेंडर कोर्स की पृष्ठभूमि

साल 2012 महिलाओं के लिए कुछ उसी तरह गुजरा जैसे पिछले कई साल गुजरें हैं। घर और बाहर दोनों जगह ही महिला हिंसा दिनोदिन बढ़ रही है। घटता लिंग अनुपात पूरे भारत के लिए विकराल समस्या के रूप में उभर रहा है जिसमें पितृसत्ता जैसी मानसिकताओं के अलावा मेडिकल टेक्नॉलजी में बढ़ती मुनाफाखोरी जैसी सोच का भी गहरा योगदान है। महिलाओं के खिलाफ़ बढ़ती हिंसा चाहे फिर वो घर हो या बाहर का माहौल और उस में पनपती पितृसत्तामक सोच ,साफ तौर पर ये इशारा कर रही है कि औरत को एक हीन उपभेगया मानो अगर ऐसा नही है तो पिछले साल के आकडें कुछ और ही कहते हैं। यौनिक उत्पीड़न व बलात्कार जैसी घटनाओं में तेजी महिला असुरक्षा को दिनों दिन बढ़ा रहे हैं। आज वैश्वीकरण के परिवेश में महिला और पुरूषों की छवियॉ बदल रही हैं। इसी बदलाव के सिलसिले में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के कारण का जुड़ाव कुंठित मर्दानगी भी है जो औरतों की बदलती और सशक्त होती तस्वीर से जुड़ी है। शिक्षा और समाज के अन्य क्षेत्रों में महिलाएं जिस तरह से अपनी काबलियत का प्रदर्शन कर रही हैं उससे पितृसत्तात्मक मूल्यों पर करारी चोट पहुंची है। पिछले कई दशको में जहां महिलाओं ने अपनी एक नई जगह बनाई है वही कई ऐसी नाकारात्मक ताकतों ने महिलाओं को पिछे भी धकेला हैं। महिला आंदोलन ने हमेशा यह कोशिश की है कि समाज में महिलाओं के प्रति उपभेक्तावादी और पितृसत्तामक सोच बदले पर यह साफ दिखाई दे रहा है कि जो महिला आंदोलन ने अपेक्षा

की थी वो अभी कोसो दूर है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए इस साल भी जागोरी जेंडर कोर्स का आयोजन कर रही है।

उद्देश्य

- जेन्डर व नारीवाद की अवधारणाओं पर समझ बनाना।
- सत्ता आधारित समाज में व्याप्त गैरबराबरी व उससे कुछ तबकों के सीमान्तीकरण की राजनीति को नारीवादी नज़रिए समझना।
- मौजूदा विकास के मॉडल को जेन्डर संवेदनशील नज़रिए से विश्लेषण करना और विकल्प की रणनीति बनाना।
- कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत नेटवर्किंग स्थापित करना।

जागोरी – एक परिचय

जागोरी की शुरूआत एक संसाधन केन्द्र के रूप में 1984 में हुई और पिछले 20 सालों से हम प्रशिक्षण, सम्प्रेषण व आलेखन के ज़रिए महिला आन्दोलन की एक सशक्त कड़ी के रूप में सक्रिय हैं। नारीवादी प्रशिक्षण कार्यशालायें, शोध, अभियान और नारीवादी पठन सामग्री का संकलन व वितरण जागोरी की मुख्य गतिविधियां हैं। इनके ज़रिए हमने महिला आन्दोलन से उभरते और हाशिये पर मौन उन सशक्त मुद्दों को नये आयाम देने की कोशिश की है।

प्रशिक्षणः बदलाव की ओर कदम

दस्तावेजीकरण और सम्प्रेषण के माध्यम से जहाँ एक ओर हमारी खासतौर से कोशिश रही कि गूढ़ से गूढ़ मुद्दों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया जाए वहीं प्रशिक्षण एक ऐसा माध्यम बना जहाँ इन्हीं जटिल मुद्दों को अपनी ज़िन्दगी के अनुभवों को सांचे में ढाल कर जाँचा परखा गया। **'व्यक्तिगत एक राजनीतिक मुद्दा'** हमारे प्रशिक्षण की पहचान बनी।

अब तक हम कई प्रशिक्षण कर चुके हैं और इस प्रक्रिया में हमारा जुड़ाव विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं, सरकारी विभागों, औरतों के समूहों, स्कूल की शिक्षिकाओं/शिक्षकों और ग्रामीण कार्यकर्ताओं से लेकर शहरों की बस्तियों तक रहा है।

प्रशिक्षण किसके लिए

- यह बुनियादी प्रशिक्षण उन कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास के लिए है जो जेंडर अवधारणाओं पर अपनी समझ पुख्ता करना चाहते हैं।
- महिला व पुरूष कार्यकर्ता जो समुदायिक स्तर पर कार्यरत हैं।
- समुदाय के साथ कम से कम एक वर्ष के काम का अनुभव हो।
- मानव संसाधन व क्षमता विकास कार्यक्रम से जुड़े हों।

प्रशिक्षण की भाषा

प्रशिक्षण की भाषा मुख्यतः हिन्दी होगी। इस प्रशिक्षण में वे प्रतिभागी भी शामिल हो सकते हैं जिन्हें हिन्दी बोलने व समझने में कोई दिक़्क़त ना आती हो।

प्रशिक्षण की कार्य प्रणाली

प्रशिक्षण के तरीके प्रतिभागियों के अनुभवों व उनकी निःसंकोच भागीदारी से प्रेरित होंगे। इसके अलावा समूह चर्चा, भाषण, गीत, अपने खट्टे–मीठे अनुभव और खुशनुमा वातावरण।

आवेदन प्रक्रियाः आवेदन पत्र भरकर हमें training@jagori.org पर मेल कर दें। आप हमें इन फोन नम्बर पर भी सर्म्पक कर सकतें हैं–01126691219, 01126691220 या फिर श्रुति से सर्म्पक करें–09873126123

प्रतिभागियों के रहने खाने की व्यवस्था जागोरी की ओर से है। प्रतिभागियों को अपनी यात्रा व्यय की ज़िम्मेदारी खुद लेनी होगी।

हमारा यह प्रयास आपके सहयोग के बगैर पूरा नहीं हो सकता इसलिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी सहमति व संलग्न नीड असेसमेंट फार्म भरकर हमें 15 मार्च 2013 तक अवश्य भेज दें।

आपका सहमति पत्र मिलते ही हम आपको कार्यशाला स्थल की जानकारी व प्रशिक्षण संबन्धि अन्य जानकारी जल्दी से जल्दी भेज देंगे।

आवेदन पत्र

" समाज को गर बदलना है तो अब हर तह को खोलना है "

09 अप्रैल से 13 अप्रैल, 2013

1.व्यक्तिगत जानकारी–

नामः–

लिंगः–

जन्म तिथिः–

पताः–

मोबाइल नः–

फोन नः–

2 संस्था की जानकारीः–

नामः

पताः

मोबाइल नः

फोन नः

3 काम का ब्यौराः

- संस्था की गतिविधियां÷

- संस्था में आपकी भागीदारी÷

4 आप इस प्रशिक्षण में भाग क्यों लेना चाहते हैं ?

5 इस प्रशिक्षण से आपके जीवन पर क्या बदलाव आएगा ?

6 इस प्रशिक्षण में भाग लेने से आपकी संस्था को क्या लाभ होगा ?

7 आप अपने साथ क्या सामग्री ला सकते हैं जो दूसरों के साथ बांटी जा सकती है? जैसे (केस स्टडी, पोस्टर, सरकारी योजनाओं की जानकारी, कानून/अभियान इत्यदि की जानकारी) कृपया नीचे लिखें

प्रशिक्षण टीम

जागोरी दिल्ली

बी–114 शिवालिक,मालवीय नगर, दिल्ली